सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के उपलक्ष में मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं सभी शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

शिक्षक दिवस एक ऐसा अवसर होता है, जब हम अपने राष्ट्र के उन शिक्षकों की समर्पित सेवाओं का सम्मान करते हैं, जो हमारे बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। हमारी परंपरा में हम शिक्षकों को देवता तुल्य मानते हैं।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान शिक्षकों की कार्यशैली में भी बड़ा परिवर्तन आया। लॉकडाउन के दौरान हमारे शिक्षकों ने शिक्षा के ऑनलाइन माध्यम की हर चुनौती को स्वीकार किया और विद्यार्थियों की निर्बाध शिक्षा के लिए मजबूती से कदम उठाए।

इस अवसर पर, आइए हम सब मिलकर एक सुदृढ़ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देने वाले संपूर्ण शिक्षक समुदाय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें।

राम नाथ कोविन्द

(राम नाथ कोविन्द)

नई दिल्ली
03 सितम्बर, 2021

सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

<u>Message</u>

Teachers' Day is observed on the birthday of a great educationist, philosopher and former President of India, Dr. Sarvepalli Radhakrishnan. I extend my warm greetings and best wishes to all teachers' on the occasion of Teachers' Day.

Teachers' Day is an occasion when we honour the dedicated services of all the teachers who play a leading role in the intellectual and moral development of our children. In Indian tradition, teachers are placed at the same pedestal as God.

During the COVID-19 global pandemic, the pedagogy adopted by the teachers also underwent a major change. During lockdown, our teachers accepted every challenge associated with the introduction of online medium of education. They took effective steps to enable uninterrupted education of the students.

On this occasion, let us all express our gratitude to the entire teaching community for its invaluable contribution towards building a strong and prosperous nation.

RNKovind

(Ram Nath Kovind)

New Delhi
September 03, 2021

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

शिक्षा और शिक्षण से जुड़े सभी लोगों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

शिक्षक ज्ञान, चरित्र और संस्कार से अलंकृत कर एक विद्यार्थी के समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं। जीवन में अंधकार को ज्ञान रूपी प्रकाश से दूर करने वाले गुरू के बारे में हमारे यहां कहा गया है-

गुकारस्त्वन्धकारस्तु रुकारस्तेज उच्यते ।
अन्धकार: निरोधत्वात् गुरुरित्यभिधीयते ॥

भारत के भव्य भविष्य के संकल्प के साथ आज हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। इस लक्ष्य की सिद्धि इस बात पर निर्भर है कि हम अपने युवाओं को आज कैसी शिक्षा दे रहे हैं। हमारे यहां यह मान्यता रही है कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो एक अच्छा शिक्षक मिलने के बाद प्राप्त नहीं हो सके।

हमारी युवा पीढ़ी को क्षमता सृजन के जरिये नयी संभावनाओं से जोड़ने के लिए देश ने जो नयी शिक्षा नीति अपनाई है, उसके निर्माण से लेकर कार्यान्वयन तक, हर चरण में हमारे शिक्षकों की सक्रिय भूमिका है।

कोरोना के दौर में जब शिक्षण और कौशल के क्षेत्र में चुनौतियां आईं तो शिक्षकों ने नई आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक की सहायता से यह प्रयास किया कि शिक्षार्थियों के सीखने की प्रक्रिया में बाधा न आये।

शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को मेरा नमन है जिनका जीवन शिक्षकों के माहात्म्य को सुनिश्चित कराने में समर्पित रहा।

मुझे विश्वास है कि इस दिन से प्रेरणा लेकर शिक्षकगण राष्ट्र-निर्माण के महायज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 11, शक संवत् 1943
02 सितम्बर, 2021

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

MESSAGE

The tradition of celebrating Teachers' Day is about celebrating the noble profession of teaching and honouring the teachers of this great country. On Teachers' Day 2021, I express my heartfelt admiration and gratitude to all the teachers of India for their service and commitment to the welfare of society.

India inherits the sacred tradition wherein our Gurus have selflessly dedicated themselves to nurturing generations of young minds and shaping the country's bright future. Following the legacy of 'Guru – Shishya Parampara', our teachers have played an instrumental role in the holistic development of our students and enabled them to contribute to nation-building. Indeed, a teacher is to a nation what a soul is to a body.

Today, with the National Education Policy 2020, India is marching towards becoming the knowledge superpower, and our teachers are the most important stakeholders of this policy. The NEP 2020 strengthens the role of our teachers and empowers them to be a catalyst of social change. The policy aims at producing an exceptional workforce of teachers who will contribute to the nation's cause to the best of their potential.

I remain hopeful that our teachers will lead the on-ground implementation of the policy in its entirety and help in the realisation of New India of the 21st century.

(Dharmendra Pradhan)

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in